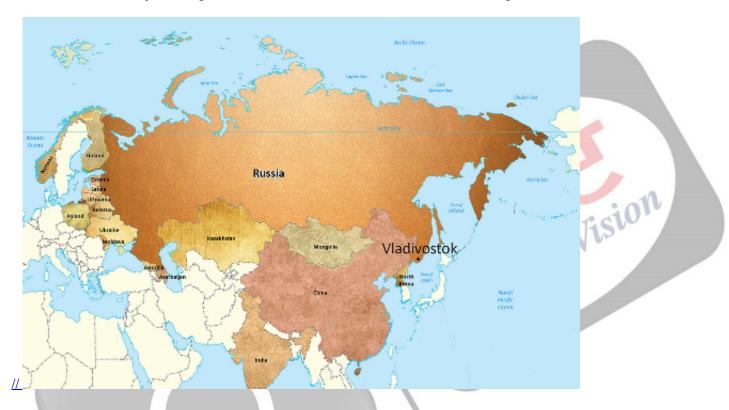


वोस्तोक अभ्यास 2022

हाल ही में भारत चीन के साथ रूस में एक बहुपक्षीय रणनीतिक और कमान अभ्यास वोस्तोक- 2022 में शामिल हुआ।



वोस्तोक अभ्यास

- इसमें कई पूर्व सोवियत देशों, चीन, भारत, लाओस, मंगोलिया, निकारागुआ और सीरिया के सैनिक शामिल होंगे।
- भारतीय सेना का प्रतनिधित्त्व 7/8 गोरखा <mark>राइफल्स के सै</mark>निकों की टुकड़ी द्वारा किया गया था।
- इसका उद्देश्य अन्य भाग लेने वाले सैन्<mark>य दल और प</mark>र्यवेक्षकों के बीच संपर्क तथा समन्वय स्थापित करना है।
- वोस्तोक 2022 अभ्यास रूस के सुदूर पूर्व और जापान सागर में सेवन फायरिंग रेंज में आयोजित किया जाएगा और इसमें 50,000 से अधिक सैनिक तथा
 5,000 से अधिक हथियार इकाइयाँ शामिल होंगी, जिसमें 140 विमान और 60 युद्धपोत शामिल हैं।
- भारतीय सेना की टुकड़ी व्यावहारिक पहलुओं को साझा करने और अभ्यास प्रक्रियाओं को व्यवहार में लाने और सामरिक अभ्यासों के माध्यम से नई
 तकनीक के अभ्यास समामेलन के लिये तत्पर है।

चीन और रूस के साथ भारत के अभ्यास

- चीन:
- अभ्यास हैंड-इन-हैंड:
 - अभ्यास का उद्देश्य अर्ध शहरी इलाकों में संयुक्त योजना और आतंकवाद वरिोधी अभियानों का संचालन करना है।
- रूस:
- अभयास इंदरा:
 - यह अभ्यास HIV आतंकी समूहों के खिलाफ एक संयुक्त बल द्वारा संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत आतंकवाद विरोधी अभियानों का संचालन करेगा।

- इंद्र अभ्यास शृंखला वर्ष 2003 में शुरू हुई और दोनों देशों के बीच बारी-बारी से एक द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास के रूप में आयोजित की गई।
- हालाँकि, पहला संयुक्त त्र-िसेवा अभ्यास 2017 में आयोजित किया गया था।
- अभयास TSENTR:
 - अभ्यास TSENTR, बड़े पैमाने पर अभ्यास की वार्षिक शृंखला और रूसी सशस्त्र बलों के वार्षिक प्रशक्षिण चक्र का हिस्सा है।
- अभ्यास ZAPAD 2021:
 - यह एक बहुराष्ट्रीय अभ्यास है जिसमें भारत, चीन, रूस और पाकिस्तान सहित 17 देश इसका हिस्सा हैं।
 - ॰ यह मुख्य रूप से आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन पर केंद्रित है।

स्रोत: द हिंदू

